हादसा

अंजनिया के पास भीषण सड़क हादसा, सात घंटे चले रेस्क्यू के बाद केबिन में फंसे चालक-परिचालक को निकाला बाहर, हालत गंभीर

अनियंत्रित होकर पुलिया के नीचे गिरा लोहे से लदा ट्रक

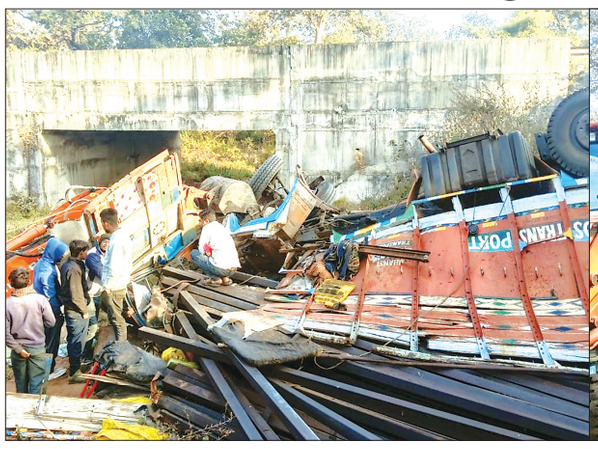

अंजनिया, नवभारत। नेशनल हाईवे-30 पर स्थित अंजनिया-मेढ़ाताल बड़े घाट में शनिवार देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। रायपुर से जबलपुर की ओर जा रहा लोहे की सरिया से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे जा गिरा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक पूरी तरह पलट गया और उसके पहिए ऊपर की ओर हो गए।

हादसे के बाद ट्रक का केबिन मलबे और लोहे के बीच दब गया, जिसमें चालक सौरभ यादव 20 वर्ष और क्लीनर अर्जुन यादव 40 वर्ष बुरी तरह फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही अंजनिया पुलिस और हाईवे हेल्पलाइन 1033 की टीम मौके पर पहुँची। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मण्डला से एसडीआरएफ की टीम को भी रेस्क्यू के लिए बुलाया गया।

कटर और ग्राइंडर मशीन से केबिन के हिस्सों को काटा

रात भर चले इस रेस्क्यू अभियान में टीम को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। ट्रक में लदी लोहे की सरिया को हटाने के बाद आरा कटर और ग्राइंडर मशीन से केबिन के हिस्सों को काटा गया। साथ ही जेसीबी की मदद से मलबे को खींचकर रास्ता बनाया गया। लगभग 7 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रविवार सुबह 8.30 बजे दोनों घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका।

मौके पर ही दिया गया प्राथमिक उपचार

बताया जाता है कि इस भीषण हादसे के बाद किय जा रहे रेस्क्यू के दौरान अंजनिया स्वास्थ्य केंद्र की टीम भी मौके पर मुस्तैद रही। फार्मासिस्ट और अन्य स्टाफ ने केबिन में फंसे घायलों को मौके पर ही ग्लूकोज और प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराई। बाहर निकालने के बाद दोनों को 108 एंबुलेंस की मदद से पहले अंजनिया स्वास्थ्य केंद्र और फिर गंभीर हालत के कारण जिला अस्पताल मंडला रेफर कर दिया गया।

घटना के बाद प्रशासनिक टीम रही मुस्तैद

इस पूरे अभियान में अंजनिया चौकी से एएसआई राजेश सराठे, प्रधान आरक्षक उत्तम गोठारिया, आरक्षक सुनील, मेजर पंचेश्वर सहित एसडीआरएफ बल और हाईवे हेल्पलाइन के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। फिलहाल अंजनिया पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

मनेरी की प्राईमों इंडस्ट्री में बिना हेलमेट प्रवेश बंद

पुलिस की पहल पर फैक्ट्री ने बदली पॉलिसी

निवास। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस द्वारा चलाया जा रहा हेलमेट पहनेगा मंडला अभियान अब औद्योगिक क्षेत्रों में भी असर दिखाने लगा है। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में जिलेभर में चल रही यातायात जागरूकता गतिविधियों के तहत चौकी मनेरी पुलिस ने एक सराहनीय उपलब्धि हासिल की है।

चौकी मनेरी पुलिस और औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्राईमों इंडस्ट्री के प्रबंधन के बीच फैक्ट्री प्रबंधक सत्येंद्र शर्मा ने पुलिस की अपील पर सकारात्मक सहयोग करते हुए अब फैक्ट्री परिसर में हेलमेट पहनकर प्रवेश करना अनिवार्य कर दिया है। इसे अब फैक्ट्री की आधिकारिक सुरक्षा पॉलिसी का हिस्सा बना लिया गया है।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान जब पुलिस टीम फैक्ट्री पहुंची, तो वहां कार्यरत सभी कर्मचारी हेलमेट पहने हुए नजर आए। पुलिस ने इस अनुशासित आचरण की सराहना करते हुए कर्मचारियों को यातायात नियमों और जीवन रक्षा में हेलमेट के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में लगभग 50 कर्मचारियों ने सुरक्षा नियमों का पालन करने का संकल्प लिया।

बिछिया में ऑपरेशन क्लीन स्वीप और साइबर सुरक्षा पर दिया जोर

यातायात जागरूकता के साथ पुलिस अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ भी मोर्चा खोले हुए है। इसी कड़ी में थाना बिछिया क्षेत्र के सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। नशा मुक्ति के लिए ग्रामीणों और राहगीरों को जागरूक किया गया। ऑनलाइन फ्रॉड और वित्तीय धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए। बिछिया पुलिस ने लोगों को हेलमेट लगाने और यातायात के संकेतों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। बताया गया कि मंडला पुलिस का यह अभियान न केवल चालानी कार्रवाई तक सीमित है, बल्कि उद्योगों और सार्वजनिक संस्थानों को जोड़कर एक सुरक्षित सामाजिक माहौल बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रहा है।

कलश यात्रा में उमड़े श्रद्धालु, आयोजित हो रहे अनुष्ठान

नैनपुर के वार्ड 15 में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

नैनपुर। ईश्वर की उपासना और धर्म का ज्ञान ही हमें समाज में अनाचार से बचाकर सेवा और न्याय की प्रेरणा देता है। इसी पावन उद्देश्य के साथ नैनपुर के वार्ड क्रमांक 15 में श्रीमती शीला शर्मा एवं परिवार द्वारा श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन शुरू किया गया है। यह धार्मिक अनुष्ठान स्वर्गीय संतोष शर्मा की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है।

आयोजन के प्रथम दिन नगर में विशाल शोभा कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति और श्रद्धालु सम्मिलित हुए। आचार्य दिवाकर शास्त्री के सानिध्य में मंत्रोच्चार के साथ वेदी पूजन, घट स्थापना और देव ग्रंथों की स्थापना की गई। कलश यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र भक्तिमय भजनों से गुंजायमान रहा। आचार्य दिवाकर शास्त्री ने बताया कि श्रीमद् भागवत पुराण केवल एक कथा नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और समाज के प्रति कर्तव्यों का बोध है। बताया गया कि प्रतिदिन प्रात:काल: विद्वान ब्राह्मणों द्वारा संस्कृत पाठ का वाचन किया जाएगा। दोपहर के सत्र में आचार्य जी द्वारा भगवान की लीलाओं और उनके दिव्य संदेशों का कथा वाचन कराया जाएगा।

शर्मा परिवार ने नगर के समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से इस सामाजिक और धार्मिक कार्य में उपस्थित होने का आग्रह किया है। उन्होंने अपील की है कि श्रद्धालु अधिक से अधिक संख्या में पधारकर भगवान की लीलाओं को समझें और पुण्य लाभ अर्जित करें।

पाला से फसल को बचाने कृषि विभाग ने दिए सुझाव

डिण्डौरी, अमरपुर। जनपद पंचायत क्षेत्र में शीत लहर का प्रकोप जारी हैं। जिसके चलते दलहन की फसल को नुकसान होने की प्रबल संभावना बढ़ गई हैं। ग्राम रामगढ़ में मसूर फसल का मुआयना करने कृषि विभाग से रोहणी साल्वे कृषि विस्तार अधिकारी ने पहुंचते ही देखा पारा लुढ़कने से किसानों की फसल पर प्रभाव अधिक देखने को मिलेगा कृषक महेंद्र ठाकुर सहित अन्य किसानों को कोहरा एंव पारा से खराब होने बाली फसल को बचाने के लिए बतलाया कि किसान फसल की सुरक्षा करने खेत के आसपास आग जलाकर धुंआ करें जिससे पारा का प्रभाव कम होगा। कृषि विस्तार अधिकारी के अनुसार अभी तक फसल अच्छी स्थिति में हैं। परन्तु सुरक्षा करना अंत्यत आवश्यक हैं। मसूर में फूल व फल का समय हैं।

मनोकामना महादेव का होगा 11 औषधियों से महारुद्राभिषेक

रामनगर के नर्मदा तट पर सजेगा मकर संक्रांति महोत्सव, 108 सत्यनारायण कथाओं का होगा आयोजन

अंजनिया। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर इस वर्ष भी किले के समीप रामनगर नर्मदा तट पर भव्य धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। पंडित राम गोपाल शास्त्री नीलू महाराज वरदान आश्रम अंजनिया के मार्गदर्शन में होने वाले इस 15वें वार्षिक महोत्सव की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। यहाँ स्थापित मनोकामना महादेव के प्रति क्षेत्र के श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है।

108 कथाएं और होगा औषधीय अभिषेक

बताया गया कि इस वर्ष 15 जनवरी को दोपहर 12 बजे से अपराह्न 3 बजे तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम में एक साथ 108 सत्यनारायण भगवान की कथाओं का वाचन किया जाएगा। भगवान भोलेनाथ का 11 विशेष प्रकार की औषधियों से अभिषेक होगा। कार्यक्रम में आने वाले सभी श्रद्धालुओं और माँ नर्मदा की परिक्रमा करने वाले परिक्रमावासियों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है।

साध्वी कल्पतरु माता ने किया आह्वान

वरदान आश्रम परिवार की साध्वी कल्पतरु कल्पना माताजी ने क्षेत्र की सभी पवित्र आत्माओं और श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर रामनगर तट पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति के अवसर पर नर्मदा तट पर जप-तप और दान का विशेष फल मिलता है, अत: अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त करें।

स्कूली बच्चों ने करीब से जानी पर्यावरण सहित वन्यजीवों की दुनिया

अजगर दादर में लगा वन विभाग का अनुभूति कैंप, 135 बच्चों ने लिया हिस्सा

अंजनिया। वन विभाग द्वारा स्कूली बच्चों को प्रकृति के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिले के वन क्षेत्रों में लगातार अनुभूति कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज वन परिक्षेत्र अंजनिया जगमंडल के अंतर्गत अजगर दादर क्षेत्र में एक दिवसीय शिविर संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीवों के व्यवहार और वन सुरक्षा नियमों की विस्तृत जानकारी देना है।

शिविर में विशेष रूप से मुख्य वन संरक्षक और जिला वन अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बच्चों के बीच पहुंचकर अपने क्षेत्रीय अनुभव साझा किए और उन्हें प्रकृति की अहमियत समझाई। इस कैंप में औरई, चंगरिया, मानिकपुर और घोंट स्कूलों के लगभग 135 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में अजगर दादर में बच्चों को अजगरों की दिनचर्या के बारे में बताया गया और उन्हें प्राकृतिक परिवेश में दिखाया गया। वनों में पेड़ों की प्रजातियों की पहचान के लिए क्क्र कोड का उपयोग किया गया, जिससे बच्चों ने तकनीक के माध्यम से वनस्पति विज्ञान को समझा। वन परिक्षेत्र अधिकारी लतिका तिवारी ने वन्य प्राणियों और पारिस्थितिकी तंत्र की जानकारी दी। साथ ही, काष्ठागार के डेमो मॉडल के माध्यम से वन विभाग की कार्यप्रणाली को प्रदर्शित किया गया।

शिक्षकों ने की सराहना- कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने प्रकृति के बीच बिताए समय को एक अनूठा अनुभव बताया। शिविर में शामिल शिक्षकों ने वन विभाग की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव जागृत होता है।

बीजाडांडी के जोगनझुर्री में भी आयोजित हुआ अनुभूति कैंप

बीजाडांडी। वन परिक्षेत्र बीजाडांडी के जोगनझुर्री कालपी वनक्षेत्र में अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन मैं भी बाघ, हम हैं बदलाव, हम हैं धरती के दूत की विशेष थीम पर किया गया, जिसका उद्देश्य बच्चों को वन्यजीवों और प्रकृति के प्रति जागरूक करना है। बताया गया कि पश्चिम (सा.) वन मंडल मंडला के निर्देशानुसार एवं उप वन मंडलाधिकारी निवास के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या परिसर बीजाडांडी एवं शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बीजाडांडी के 130 छात्र-छात्राएं और शिक्षक सम्मिलित हुए। शिविर की शुरुआत प्रकृति पथ पर वन भ्रमण के साथ हुई। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को पक्षी दर्शन, घास व पेड़-पौधों की पहचान, औषधीय वृक्षों के महत्व और वनों की सुरक्षा के बारे में विस्तार से बताया गया। मास्टर ट्रेनर सीएम शर्मा और परिक्षेत्र अधिकारी रामानंद कस्तवार ने बच्चों को विभागीय कार्य फायर लाइन कटाई, चेकडैम निर्माण, मुनारा निर्माण और दीमक की बामी के महत्व के बारे में जानकारी दी।

विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत- दोपहर के सत्र में बच्चों के लिए शिक्षाप्रद खेल, क्विज प्रतियोगिता और बिना सिले कपड़े से थैले बनाने का प्रशिक्षण आयोजित किया गया । विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम के अंत में सभी ने मैं भी बाघ थीम गीत का सामूहिक गायन किया और प्रकृति संरक्षण की शपथ ली।

जनप्रतिनिधियों की रही उपस्थिति- इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य एवं वनसभापति पुष्पा मरकाम, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष विजेन्द्र यादव, संदीप नामदेव जनपद सदस्य, बीजाडांडी चिकित्सा अधिकारी अभय गजभिये सहित वन विभाग के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति व बसंत पंचमी पर ग्वारीघाट में रुकेंगी ट्रेनें

रेलवे ने दी अस्थायी ठहराव की सुविधा

नैनपुर। मकर संक्रांति और बसंत पंचमी के पावन पर्व पर ग्वारीघाट में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों को बड़ी सौगात दी है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (नागपुर मंडल) द्वारा यात्रियों की सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए ग्वारीघाट स्टेशन पर 8 प्रमुख ट्रेनों के अस्थायी ठहराव की व्यवस्था की गई है। रेलवे प्रशासन ने बताया कि यह अस्थायी व्यवस्था मकर संक्रांति पर्व के चलते 13 जनवरी से 15 जनवरी तक केवल पर्व विशेष के दौरान लागू रहेगी। इसके साथ ही बसंत पंचमी पर्व 22 से 26 जनवरी के लिए लागू होगी। इस दौरान इन ट्रेनों का होगा ठहराव 2 मिनट के लिए होगा। बताया गया कि ग्वारीघाट स्टेशन पर इन ट्रेनों का आगमन और प्रस्थान होगा। जिसमें ट्रेन नंबर 11201 नागपुर - शहडोल,15.30 में आगमन और प्रस्थान 15.32, ट्रेन नंबर 11202 शहडोल - नागपुर, 09.49 में आगमन और प्रस्थान 09.51, ट्रेन नंबर 11755 इतवारी - रीवा (एक्सप्रेस) आगमन 02.47 और प्रस्थान 02.49 में होगा। ट्रेन नंबर 11756 रीवा - इतवारी (एक्सप्रेस), 22.59 आगमन और प्रस्थान 23.01 पर, ट्रेन नंबर 11753 इतवारी - रीवा (एक्सप्रेस) 02.47 पर आगमन और प्रस्थान 02.49, ट्रेन नंबर 11754 रीवा - इतवारी (एक्सप्रेस) आगमन 22.59 और प्रस्थान 23.01, ट्रेन नंबर 22173 चांदाफोर्ट - जबलपुर आगमन 21.30 और प्रस्थान 21.32, ट्रेन नंबर 22174 जबलपुर - चांदाफोर्ट का आगमन 05.49 और प्रस्थान 05.51 पर होगा।

मकर संक्रांति पर स्थानीय अवकाश को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बबलिया। जिले में मकर संक्रांति के पर्व की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को देखते हुए ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन ने जिला प्रशासन से 14 जनवरी को स्थानीय अवकाश घोषित करने की मांग की है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा से आग्रह किया है कि मकर संक्रांति जिलेवासियों के लिए श्रद्धा का बड़ा केंद्र है, अत: इस दिन शासकीय अवकाश होना आवश्यक है।

एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डीके सिंगौर और जिला अध्यक्ष दिलीप मरावी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा साल भर में तीन स्थानीय अवकाश घोषित किए जाते हैं, जिनमें से एक अवकाश प्रतिवर्ष नर्मदा जयंती पर दिया जाता है। चूंकि इस वर्ष नर्मदा जयंती रविवार को पड़ रही है, इसलिए उस अवकाश का लाभ कर्मचारियों और शिक्षकों को नहीं मिल पाएगा। एसोसिएशन का सुझाव है कि इस वर्ष नर्मदा जयंती के बदले 14 जनवरी मकर संक्रांति को स्थानीय अवकाश घोषित किया जाना चाहिए। एसोसिएशन की जिला महिला विंग अध्यक्ष श्रीमती मीना साहू सहित अन्य पदाधिकारियों का कहना है कि मकर संक्रांति पर जिले के सभी नर्मदा तटों पर तिल स्नान और पूजन के लिए भारी भीड़ उमड़ती है। जगह-जगह मेलों का आयोजन भी होता है। अवकाश न होने के कारण शासकीय कर्मचारी और शिक्षक अपनी धार्मिक परंपराओं का पालन नहीं कर पाते। स्कूली बच्चे भी इस सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्व में सम्मिलित होने से वंचित रह जाते हैं। एसोसिएशन के विभिन्न ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती संजूलता सिंगौर, कमोद पावले, अनुराग जैन, कमलेश मरावी और अन्य ने संयुक्त रूप से मांग की है कि न केवल इस वर्ष, बल्कि आगामी वर्षों में भी मकर संक्रांति की महत्ता को देखते हुए इसे स्थानीय अवकाश की सूची में स्थायी रूप से शामिल करने पर विचार किया जाना चाहिए।

श्रीकृष्ण-सुदामा मित्रता की कथा सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

नारायणगंज। विकासखंड नारायणगंज के ग्राम देवरी में इन दिनों भक्ति की बयार बह रही है। यहां लाड़ली बहना महिला मंडल के विशेष सहयोग से आयोजित नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। कथा व्यास पंडित कृष्णगोपाल पाण्डेय ने अपनी अमृतमयी वाणी से प्रभु श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों का सजीव वर्णन कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कथा के सातवें दिन पंडित कृष्णगोपाल पाण्डेय ने भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा की कथा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि सच्ची मित्रता में अमीरी-गरीबी का कोई स्थान नहीं होता। जब निर्धन सुदामा अपने मित्र कृष्ण से मिलने द्वारका पहुंचे, तो भगवान ने नंगे पैर दौड़कर उनका स्वागत किया। सुदामा के लाए हुए चावल को ग्रहण कर भगवान ने मित्रता की जो मिसाल पेश की, उसे सुनकर पांडाल में मौजूद श्रद्धालु भावविभोर हो गए। कथा व्यास ने संदेश दिया कि ईश्वर केवल प्रेम और भक्ति के भूखे हैं।

कथा के अंतिम चरणों में राजा परीक्षित के मोक्ष की कथा सुनाई गई। महाराज परीक्षित को मिले शाप और उसके बाद शुकदेव मुनि द्वारा उन्हें सात दिनों तक सुनाई गई भागवत कथा के महत्व को रेखांकित किया गया। पंडित कृष्णगोपाल पाण्डेय ने बताया कि भागवत कथा श्रवण से न केवल मन शुद्ध होता है, बल्कि जीव को जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति प्राप्त होती है। परीक्षित के मोक्ष के प्रसंग के साथ ही जीवन की नश्वरता और प्रभु भक्ति की अनिवार्यता पर जोर दिया गया।

श्रीकृष्ण एवं रुक्मणी विवाह प्रसंग ने मोहा मन

विशाल भंडारे और पूर्णाहुति के साथ आज होगा श्रीमद् भागवत कथा का समापन

बीजाडांडी। बीजाडांडी के राधाकृष्ण मंदिर में आयोजित आठ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य समापन आज सोमवार को किया जाएगा। श्री राधाकृष्ण मंदिर समिति एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में पूरे क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए। श्रीमद् भागवत कथा का वाचन कर रहे कथा व्यास भागवताचार्य पं. शिवाकांत शास्त्री ने अपनी मधुर वाणी से भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न जीवन प्रसंगों का सजीव वर्णन किया।

कथा के सातवें दिन भगवान श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह का प्रसंग सुनाया, जिस पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। इसके साथ ही कृष्ण-सुदामा की अटूट मित्रता और भक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कथा का समापन किया गया। श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह के प्रसंग के दौरान श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह का आयोजन किया गया। जिसकी तैयारी महिला मंडल द्वारा की गई। इस दौरान कन्हैया जी की बारात राम मंदिर से निकाली गई सभी भक्तों ने बारात कर भव्य स्वागत किया।

5 जनवरी को कलश यात्रा के साथ शुरू हुए इस आयोजन का समापन विधि-विधान से पूजन और हवन के साथ आज सोमवार को किया जाएगा। समापन के पावन अवसर पर मंदिर परिसर में कन्या भोज एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर समिति और ग्रामवासियों ने इस सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया है।